

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

पाठ्यक्रम

आचार्य व्याकरण तृतीय सत्रार्द्ध

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

व्याकरणम्
पत्र संख्या - DSCC - 24
पाठ्यक्रम विवरणम् -
लघुशब्देन्दुशेखरः
अजन्तशब्दविमर्शः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्' इत्यतः अनभावे तु स्मै भवत्येव' इति वाक्यान्तः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* जराया जरसन्यतरस्याम्' इत्यतः रायो हलि' इति सूत्रव्याख्यानान्तः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'रमयतेः पचाद्यच्' इत्यतः कृन्मेजन्तसूत्रस्थ भाष्यस्वरसः' इति वाक्यव्याख्यानान्तः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'अतोऽम्' इत्यतः 'एकदेशिन इति न तद्विरोध इत्यलम्' इति वाक्यव्याख्यानान्तः।

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - लघुशब्देन्दुशेखरः

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 25

पाठ्यक्रम विवरणम् -

लघुशब्देन्दुशेखरः

स्त्रीप्रत्ययविमर्शः ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* स्त्रियाम्' इति सूत्रादारभ्य प्रत्ययस्थात् कात् पूर्वस्यात् इदाप्यसुपः' इति सूत्रान्तः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* न यासयोः' इति सूत्रादारभ्य कौरव्यमाण्डूकाभ्यां च' इति सूत्रान्तः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* वयसि प्रथमे' इति सूत्रादारभ्य अर्यक्षत्रियाभ्यां वा स्वार्थे' इति वार्तिकान्तः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'क्रीतात् करणपूर्वात्' इति सूत्रादारभ्य 'यूनस्तिः' इति सूत्रान्तः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - लघुशब्देन्दुशेखरः

सहायक ग्रन्थाः -

- (1) षट्ठीकोपेतः
- (2) भैरवीव्याख्योपेतः
- (3) सुबोधिनीव्याख्योपेतः
- (4) दीपिकाव्याख्योपेतः
- (5) गुरुप्रसादव्याख्योपेतः
- (6) बालबोधिनीव्याख्योपेतः
- (7) प.नित्यानन्दपर्वतीयव्याख्योपेतः
- (8) लघुशब्देन्दुशेखरस्वाध्यायः 'एप' । (डिजिटलसहायकसामग्री) प्रस्तोता – प्रो. बोधकुमारझाः

व्याकरणम्
पत्र संख्या - DSCC - 26
पाठ्यक्रम विवरणम् -
शास्त्रत्वसम्पादकतन्त्रम् ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तिर्नाहि सन्देहादलक्षणम्' इत्यतः 'कार्यमनुभवन् हि कार्यं निमित्ततया नाश्रीयते' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम् ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'यदागमास्तदुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते' इत्यतः 'भाव्यमानोऽप्युकारः सवर्णान् गृह्णानि' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम् ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम्' इत्यतः 'कृद्ग्रहणे गतिकारकपूर्वस्यापि ग्रहणम्' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम् ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'पदाङ्गाधिकारे तस्य च तदन्तस्य च' इत्यतः 'एकदेशविकृतमनन्यवत्' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम् ।

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - परिभाषेन्दुशेखरः ।

सहायक ग्रन्थाः -

- (1) भूतितत्त्वप्रकाशिकाव्याख्योपेतः । (2) विजयाव्याख्योपेतः । (3) नागेशगूढार्थदीपिकोपेतः ।
(4) बालबोधिनीव्याख्योपेतः । (5) दुर्गाटीकोपेतः । (6) सुबोधिनीव्याख्योपेतः ।

व्याकरणम्
पत्र संख्या - DSCC - 27
पाठ्यक्रम विवरणम् -
पाणिनीयशिक्षा संस्कृतभाषाविज्ञानञ्च

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पाणिनीयशिक्षा

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

विज्ञानपदार्थः, भाषाविज्ञानपदार्थः, भाषापरिभाषा, भाषाप्रादुर्भावे विविधमतानि,
शब्दनित्यत्वविचारः, ध्वनिविचारः, स्वरेभ्यो व्यञ्जनोत्पत्तिः, भाषासिद्धौ विकासवादः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

भाषावर्गीकरणम्, संस्कृते भाषाभेदः, वैदिकभाषैवादिभाषा, पूर्व प्राकृतमित्यस्य खण्डनम्,
विंशतिशब्दनिर्वचनम्, 'तितउ' शब्दनिर्वचनम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

भाषाविकारहेतवः, पाणिनेर्नियमस्य व्यापकत्वम्,
शब्दपरिवर्तने नाना मतानि, शब्दविकृतिकारणानि।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - (1) पाणिनीयशिक्षा।
(2) संस्कृतभाषाविज्ञानम्।